

A (Printed Pages 4)
(20222) Roll No.
B.A. LL.B.-VII Sem.

NS-3522 (CV-III)

B.A. LL.B. Examination, Dec.-2021

Interpretation of Statutes

(BL-703)

(New Course)

Time : 1½ Hours] [Maximum Marks : 100

Note : Attempt all the sections as per instructions.

नोट : सभी खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्न हल कीजिए।

Section-A/खण्ड-अ

(Very Short Answer Questions)

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any **two** questions. Each question carries 10 marks. Very short answer is required not exceeding 75 words. $2 \times 10 = 20$

नोट : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। अधिकतम 75 शब्दों में अति लघु उत्तर अपेक्षित है।

P.T.O.

1. What are marginal notes?
पाश्र्वांकित टिप्पणियाँ क्या होती हैं?
2. What is Obiter-dicta?
इतरोक्ति क्या होती है?
3. What is the meaning of the maxim 'Ut Res Magis Voleat Quam Pereat'?
"अट रेस मैजिस वैलिट क्वाम पिरिट" का अर्थ क्या होता है?
4. What is repugnancy?
विरुद्धता क्या होती है?
5. What is strict construction of a statute?
संविधि के कठोर अर्थान्वयन से क्या अभिप्राय है?

Section-B/खण्ड-ब

(Short Answer Questions)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any **one** question out of the following 3 questions. Each question carries 20 marks. Short answer is required not exceeding 200 words.

नोट : निम्नलिखित 3 प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। अधिकतम 200 शब्दों में लघु उत्तर अपेक्षित है। $1 \times 20 = 20$

6. Distinguish between interpretation and construction.
निर्वचन और अर्थान्वयन के मध्य विभेद की व्याख्या कीजिए।

NS-3522(CV-III)/2

7. Explain what is retrospective operation of statute?

विधान का भूतलक्षी प्रवर्तन क्या होता है? व्याख्या कीजिए।

8. Explain doctrine of colourable legislation.

रुद्ध विधान के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

Section-C/खण्ड-स

(Detailed Answer Questions)

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any two questions out of the following 5 questions. Each question carries 30 marks. Answer is required in detail. $2 \times 30 = 60$

नोट : निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 30 अंकों का है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

9. "Interpretation is said to be the process by which the courts seek to ascertain the true meaning of a legislation". Explain with decided cases.

"निर्वचन के माध्यम से न्यायालय विधि का वास्तविक अर्थ निश्चित करती है" निर्णित वादों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

NS-3522 (CV-III)/3

P.T.O.

10. What canons of interpretation the judiciary adopts while interpreting the Indian Constitution.

भारतीय संविधान का निर्वचन करते समय न्यायपालिका निर्वचन के किन-किन सिद्धांतों को अपनाती है।

11. Discuss the existence of presumptions in the field of interpretation of statute.

संविधि के निर्वचन के क्षेत्र में उपधारणाओं के अस्तित्व की विवेचना कीजिए।

12. Rule of literal construction is known as the safer rule of construction. Explain with decided cases.

शाब्दिक निर्वचन को निर्वचन का सबसे सुरक्षित नियम माना जाता है। निर्णित वादों की सहायता से व्याख्या करें।

13. Critically evaluate the meaning and scope of Judicial activism.

न्यायिक सक्रियता के अर्थ एवं क्षेत्र की समालोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

NS-3522(CV-III)/4